

मुख्यमंत्री ने हरियाणा संस्कृत अकादमी और पंजाबी साहित्य अकादमी की वेबसाइट व मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किये

चर्चा में क्यों?

24 फरवरी, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्‌टर ने टैगोर थियेटर में हरियाणा साहित्य पर्व के अवसर पर हरियाणा संस्कृत अकादमी और पंजाबी साहित्य अकादमी की वेबसाइट व मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किये।

प्रमुख बंदि

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्कृत, हन्दि, पंजाबी व उर्दू भाषा के 138 साहित्यकारों को सम्मानति कयि। ये सम्मान हरियाणा संस्कृत अकादमी, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, हरियाणा उर्दू अकादमी के अंतर्गत दयि गए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चारों अकादमियों के अध्कष हैं।
- आजीवन साहित्य साधना सम्मान वर्ष 2017 के लयि डॉ. कमल कशिंर गीयनका व वर्ष 2018 के लयि डॉ. सुरेश गीतम, 2019 के लयि माधव कौशकि और 2020 के लयि ज्ञानप्रकाश वविक को 7-7 लाख रुपए की पुरस्कार राशवि प्रशस्त-पत्र दयि गया।
- फखरे हरियाणा सम्मान वर्ष 2019 के लयि डॉ. हम्मत सहि सन्हिहा नाजमि, वर्ष 2020 के लयि डॉ. कुमार पानीपती को 5-5 लाख रुपए की राशवि प्रशस्त-पत्र दयि गया।
- इसी प्रकार महाकवि सूरदास आजीवन साहित्य सम्मान वर्ष 2017 के लयि डॉ. पूरणचंद शरमा, 2018 के लयि मधुकांत, डॉ. संतराम देशवाल, वर्ष 2019 के लयि डॉ. सुदर्शन रत्नाकर व श्रीमती चंद्रकांता, वर्ष 2020 के लयि डॉ. सुभाष रस्तोगी को 5-5 लाख रुपए की राशवि प्रशस्त-पत्र दयि गए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी भाषाओं के साहित्यकार समान होते हैं, ऐसे में सरकार द्वारा दी जाने वाली पुरस्कार राशवि समान होनी चाहयि।
- उन्होंने कहा कि हरियाणा की साहित्य अकादमियों की पुरस्कार राशवि को लेकर एक समान फॉर्मूला बनाया जाए। अभी तक हरियाणा की चारों साहित्य अकादमियाँ साहित्य के क्षेत्र में अलग-अलग पुरस्कार राशवि दे रही हैं।